BSES

एम्स के आईसीयू में घुसकर बीआरपीएल कर्मी को धमकी, गुंडों ने ऑक्सीजन पाइप भी निकाल कर फेंका

- लाजपत नगर निवासी सुभाष सलूजा पर 91,400 रूपये का बिजली बिल बकाया था
- बीआरपीएल कर्मी गुरूवार को भुगतान का चेक लेने गए थे
- सलूजा और उसके लोगों ने बीआरपीएल कर्मियों को घर में बंद कर पीटा था
- कर्मचारियों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था, एक की हालत गंभीर
- शनिवार को एम्स के आईसीयू में घुसकर बीआरपीएल कर्मी को धमकी दी, ऑक्सीजन पाइप भी निकालकर फेंका

नई दिल्लीः 15 जुलाई, 2013। लाजपत नगर निवासी सुभाष सलूजा पर बकाया 91,400 रूपये बिजली बिल की रिकवरी के लिए गई बीआरपीएल टीम के जिन चार कर्मियों की गुरूवार को पिटाई की गई थी, उनमें एक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। एम्स के आईसीयू में भर्ती बीआरपीएल कर्मचारी साहब सिंह को दो गुंडों ने शनिवार को आईसीयू में घुसकर धमकी दी। यही नहीं, साहब सिंह की नाक में लगा ऑक्सीजन पाइप भी उन लोगों ने हटा कर फेंक दिया। गुंडों ने साहब सिंह से कहा कि 50 हजार रूपये लेकर समझौता कर लो, वर्ना गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

एफ–1, लाजपत नगर, पार्ट–3 निवासी सुभाष सलूजा पर बीआरपीएल का 91,400 रूपये का बिजली बिल बकाया था। बकाये के भुगतान के लिए बीआरपीएल की ओर से सलूजा को कई बार नोटिस दिया गया, लेकिन उसने बकाये का भुगतान नहीं किया। चूंकि बकाये की राशि दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही थी, इसलिए बीआरपीएल के पास उसकी बिजली काटने के अलावा, और कोई विकल्प नहीं बचा था। जब कर्मचारी सलूजा की बिजली काटने लाजपत नगर पहुंचे, तो वहां खड़े गार्ड ने बीआरपीएल कर्मचारियों से रूकने को कहा क्योंकि उस वक्त घर पर कोई नहीं था।

थोड़ी देर बाद सलूजा की पत्नी वहां पहुंचीं और कहा कि वह बकाये के भुगतान के लिए तैयार है। बीआरपीएल टीम ने थोड़ी देर इंतजार किया, लेकिन उन्हें भुगतान का चेक नहीं दिया गया। उसके बाद कर्मचारियों ने सलूजा का बिजली कनेक्शन काट दिया और वहां से वापस ऑफिस जाने लगे। इसी बीच, करीब डेढ़ बजे सलूजा भी वहां पहुंचा और बीआरपीएल कर्मियों से कनेक्शन जोड़ने को कहा। सलूजा ने कहा कि वह अभी बकाये का भुगतान कर देगा। सलूजा के ऐसा कहने पर बीआरपीएल कर्मियों ने उसका कनेक्शन जोड़ दिया।

सलूजा ने बीआरपीएल कर्मचरियों को धोखे से यह कहकर घर के अंदर बुला लिया – मैं आपको भुगतान का चेक दे रहा हूं, आप लोग अंदर आ जाएं। जैसे ही कर्मचारी अंदर गए, सलूजा और तीन अन्य लोगों ने घर को लॉक कर दिया और बीआरपीएल कर्मचारियों की पिटाई करने लगे। सबसे अधिक पिटाई साहब सिंह नामक कर्मचारी की हुई, जिनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। सलूजा और उसके साथी अभी फरार हैं।